● समझो और बताओ :

१७. निरीक्षण

१. किसी एक प्रकार के दो बीज जैसे चना/मूँग/मटर/जौ आदि लो ।

२. उन्हें दो अलग-अलग गमलों में बोओ ।

३. प्रत्येक दिन दोनों गमलों में थोड़ा-थोड़ा पानी छिड़को ।

४. तुम देखोगे कि दो-तीन दिन बाद दोनों गमलों में अंकुर उग आए हैं ।

५. अंकुरों को बढ़ने के लिए थोड़ा समय दो । तीन-चार दिन में वे पौधों में बदल जाएँगे ।

६. पहले गमले को छत, आँगन या ऐसे स्थान पर रखो जहाँ पौधों को सीधे धूप लग सके ।

७. दूसरे गमले को कमरे में ऐसे स्थान पर रखो जहाँ धूप न आती हो ।

८. पाँच दिन बाद दोनों पौधों का निरीक्षण करो ।

९. तुम देखोगे कि धूप में रखे पौधे के पत्ते हरे हैं । वे अधिक स्वस्थ हैं ।

१०. छाया में रखे पौधों के पत्ते मुरझाए हैं और कुछ-कुछ पीले पड़ गए हैं ।

JU9RKR

११. ऐसा क्यों हुआ, सोचो और आपस में चर्चा करो ।

१२. अपना निष्कर्ष शिक्षक को बताओ ।

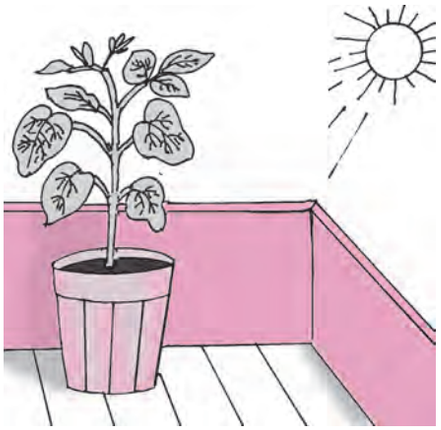

पढ़ो, सोचो और लिखो :

१. धूप में रखा पौधा हरा क्यों है ?

२. कमरे में रखा पौधा क्यों मुरझा गया ?

❑ विद्यार्थियों को प्राकृतिक परिवर्तनों का निरीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें । सूर्योदय और सूर्यास्त के समय की समानताएँ और विभिन्नताएँ बताने के लिए कहें । विद्यार्थियों में अन्य प्रयोगों द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें ।